1. बहु-विकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

सही उत्तर चुनिए (Select the correct answer)—

(i) मुद्रा बाजार व्यवहार करता है (Money market deals in)—
(अ) अल्पकालीन कोष (short-term funds) (ब) मध्यकालीन कोष (medium-term funds)
(स) दीर्घकालीन कोष (long-term funds) (द) इनमें से कोई नहीं (none of these)

(ii) पूँजी बाजार व्यवहार करता है (Capital market deals in)—
(अ) अल्पकालीन कोष (short-term funds) (ब) मध्यकालीन कोष (medium-term funds)
(स) दीर्घकालीन कोष (long-term funds) (द) इनमें से कोई नहीं (none of these)

(iii) तरलता का निर्माण करता है (Creates liquidity)—
(अ) संगठित बाजार (organised market) (ब) असंगठित बाजार (unorganised market)
(स) प्राथमिक बाजार (primary market) (द) गौण बाजार (secondary market)

(iv) नवीन निर्गमित अंशों में व्यवहार करता है (In new issued shares deals)—
(अ) गौण बाजार (secondary market)
(ब) प्राथमिक बाजार (primary market)
(स) गौण बाजार तथा प्राथमिक बाजार दोनों (secondary and primary market both)
(द) इनमें से कोई नहीं (none of these)

(v) वैधानिक रूप में सेबी की स्थापना हुई थी (Legally SEBI was established in)—
(अ) 1988 (ब) 1990 (स) 1992 (द) 1994

(vi) स्कन्ध विपणि हित की सुरक्षा करती है (Stock exchange protects the interest of)—
(अ) निवेशक (investor) (ब) कम्पनी (company)
(स) सरकार (government) (द) किसी का नहीं (none of these)

(vii) भारत में स्कन्ध विपणियों का भविष्य है (The future of stock exchanges in India is)—
(अ) उज्ज्वल (bright) (ब) अंधेरे में (in dark)
(स) सामान्य (ordinary) (द) कोई भविष्य नहीं (no future)

(viii) सेबी का मुख्य कार्यालय है (Head office of SEBI is in)—
(अ) दिल्ली (Delhi) (ब) मुम्बई (Mumbai) (स) कोलकाता (Kolkata) (द) चेन्नई (Chennai)

(ix) स्कन्ध विपणियों के लिए सेबी की सेवाएँ हैं (For stock exchanges the services of SEBI is)—
(अ) ऐच्छिक (voluntary) (ब) आवश्यक (necessary)
(स) अनावश्यक (unnecessary) (द) अनिवार्य (compulsory)

(x) विश्व में सबसे पहले स्कन्ध विपणि की स्थापना हुई थी (The foremost stock exchange was established in)—
(अ) दिल्ली (Delhi) (ब) लन्दन (London) (स) अमरीका (America) (द) जापान (Japan)

(xi) भारत में सबसे पहले स्कन्ध विपणि की स्थापना हुई थी (The first stock exchange in India was established in)—
(अ) 1857 (ब) 1877 (स) 1887 (द) 1987

(xii) सन् 2004 में भारत में स्कन्ध विपणियों की संख्या थी (The number of stock exchanges in 2004 were)—
(अ) 20 (ब) 21 (स) 23 (द) 24

[उत्तर—(i) (अ), (ii) (स), (iii) (द), (iv) (ब), (v) (स), (vi) (अ), (vii) (अ), (viii) (ब), (ix) (द), (x) (ब), (xi) (स), (xii) (द) ।]

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. शेयर बाजार किसे कहते हैं?

[झारखण्ड एकेडेमिक काउन्सिल राँची, *2008 (A)*]

उत्तर—शेयर बाजार से आशय ऐसे संगठित बाजार से है जहाँ पर अंशों, ऋण-पत्रों, सरकारी एवं अर्द्ध-सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय होता है। **हार्टले विदर्स** (Hartley Withners) के अनुसार, "शेयर बाजार एक बड़े गोदाम की तरह है जहाँ पर विभिन्न प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय किया जाता है।

प्रश्न 4. OTC एवं NSE में अन्तर स्पष्ट करें।

[झारखण्ड एकेडेमिक काउन्सिल राँची, *2008 (A)*]

उत्तर—OTC— यह परम्परागत स्टॉक एक्सचेंज से भिन्न (एक ऐसा विशेष स्थान/पूर्णत: कम्प्यूटरीकृत स्टॉक) एक्सचेंज है जिस पर प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय पूर्णत: पारदर्शिता तथा अधिक गति से होता हैं। इसके काउन्टर कार्यालय पूरे देश में फैले हुए हैं जिन पर उपग्रह तथा टेलीफोन के माध्यम से सौदे होते हैं।

NSE—यह परम्परागत स्टॉक एक्सचेंज के प्रतियोगी के रूप में स्थापित की गई एक ऐसी स्टॉक एक्सचेंज है जिस पर मध्यम एवं बड़े आकार की कम्पनियों एवं सरकारी प्रतिभूतियों में व्यवहार किया जाता है। यह स्टॉक एक्सचेंज पूर्णत: कम्प्यूटरीकृत है तथा व्यवहारों की गति में तेजी व पारदर्शिता रहती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के कोई पाँच रक्षात्मक कार्य बतायें।

[झारखण्ड एकेडेमिक काउन्सिल, राँची *2008 (A)*]

उत्तर—सुरक्षात्मक कार्य (Protective Functions)—सुरक्षात्मक कार्यों से आशय निवेशकों के हितों की सुरक्षा बनाये रखने सम्बन्धी कार्यों से है। सेबी द्वारा सम्पन्न किये जाने वाले सुरक्षात्मक कार्य निम्नलिखित हैं—

(1) प्रतिभूति बाजार में सम्पन्न किये जाने वाले कपटमय एवं अनुचित व्यापार व्यवहारों (Unfair Trade Practices) की रोकथाम करना। जैसे—प्रबन्धकों द्वारा मिथ्याकथन जिसके कारण प्रतिभूतियों में उतार-चढ़ाव आते हैं।

(2) आन्तरिक व्यापार (Insider Trading) पर रोक लगाना। कम्पनी में कुछ व्यक्ति (जैसे—संचालक तथा प्रवर्तक) ऐसे होते हैं जो कम्पनी से निकटतम रूप में जुड़े होते हैं एवं जिन्हें कम्पनी की आन्तरिक स्थिति का पता होता है। अपनी इस स्थिति का लाभ उठाकर वे कम्पनी की प्रतिभूतियों में क्रय-विक्रय करते हैं एवं भारी लाभ कमाते हैं। उदाहरण के लिए, एक कम्पनी के संचालक को यह पता है कि कम्पनी की आगामी वार्षिक सभा में 1 : 1 के अनुपात में बोनस अंशों की घोषणा की जायेगी। निश्चित है कि ऐसा होने पर कम्पनी के अंशों का मूल्य बढ़ जायेगा। वह बाजार से तुरन्त दो हजार अंश क्रय कर लेता है और अनुचित लाभ कमा लेता है। सेबी का कार्य है कि ऐसे व्यवहारों पर रोक लगायी जाये।

(3) निवेशकों को निश्चित करना।

(4) आचार संहित (Code of Conduct) लागू करना, जैसे—(अ) यह दिशा निर्देश निर्गमित किया गया है कि कोई भी कम्पनी ऋणपत्रों की शर्तों में एक पक्षीय परिवर्तन नहीं कर पायेगी और न ही किसी प्रतिभूति में परिवर्तित कर पायेगी।

(ब) यदि कोई व्यक्ति आन्तरिक सूचना पर आधारित कोई सौदा (Insider Trading) का दोषी पाया जाता है तो उसके लिए कठोर दण्ड एवं जुर्मानों की व्यवस्था की गयी है।

(स) अंशों के प्राथमिकता वाले आबंटनों (Preferential Allotment) के कम मूल्य पर निर्गमन पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी गयी है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. विपणन क्या है? वस्तु एवं सेवाओं की विनिमय प्रक्रिया में इसके क्या कार्य हैं? समझाइए।

उत्तर—संकुचित अवधारणा के अनुसार विपणन से अर्थ वस्तुओं और सेवाओं को ग्राहकों को उपलब्ध कराने से है परन्तु आधुनिक विचारधारा के अनुसार विपणन की परिभाषा पुरानी परिभाषा से कहीं अधिक व्यापक है। विपणन एक सामाजिक प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत ग्राहकों को सन्तुष्ट करने की क्रियायें सम्मिलित हैं।

विशेषताएँ—(1) **आवश्यकताएँ** (Needs and Wants)—विपणन प्रक्रिया के द्वारा ग्राहकों को अपनी आवश्यकता की वस्तुएँ तथा सेवाएँ प्राप्त होती हैं।

(2) **बाजार में माँगी जाने वाली वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन करना** (Creating a market offering)—बाजार में माँगी जाने वाली वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन से अभिप्राय उन वस्तुओं का उत्पादन करना है जो एक निश्चित कीमत पर ग्राहकों द्वारा अपनी चाहतों तथा इच्छाओं की पूर्ति हेतु माँगी जाती है।

(3) **हस्तान्तरण प्रक्रिया** (Exchange Mechanism)—विपणन का आधार एक्सचेन्ज प्रक्रिया है। ग्राहक उत्पादकों को उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं का मूल्य देते हैं। परिणामतः वे ग्राहकों की आवश्यकताओं की सन्तुष्टि करने का प्रयास करते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 7. उत्पादों के विपणन में लेबलिंग के कार्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—लेबलिंग के कार्य (Functions of Labelling)—

1. उत्पाद के विषय में समस्त जानकारी लेबल पढ़ने से ही मिल जाती है। अतः विक्रेता को क्रेता के साथ बहस, समय की बर्बादी इत्यादि नहीं करनी पड़ती।
2. उत्पाद की क्वालिटी के विषय में आश्वासन मिलता है जैसे पाउडर के डिब्बे के लेबल पर लिखा होता है—ISO-9001-2000 प्रमाणित कम्पनी।
3. उत्पाद को प्रयोग करने की विधि लिखी रहती है जैसे डोसा, इडली, मैगी नुडल्स के लेबल पर इनको बनाने की विधि लिखी रहती है।
4. वस्तु विभेद करने में सहायक है।
5. उत्पादों के मानकीकरण व प्रमापीकरण में सहायक है।
6. उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में सहायक है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. विपणन की परिभाषा दीजिए। यह विक्रय से किस प्रकार भिन्न है ? वर्णन कीजिए।

उत्तर—विपणन क्रय, विक्रय, उत्पाद नियोजन, विज्ञापन आदि तक सीमित न रहकर एक विस्तृत अर्थीय शब्द है जिसमें वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन से पहले की जाने वाली क्रियाओं से लेकर उनके विक्रय, वितरण और आवश्यक विक्रयोपरान्त सेवाओं तक को शामिल किया जाता है।

परिभाषाएँ (Definitions)

(1) **पाइले (Pyle)** के अनुसार, "विपणन में क्रय तथा विक्रय दोनों ही क्रियाएँ शामिल हैं।"

(2) **क्लार्क एवं क्लार्क** (Clark and Clark) के अनुसार, "विपणन में वे सभी प्रयत्न शामिल हैं जो वस्तुओं एवं सेवाओं के स्वामित्व हस्तान्तरण एवं उनके भौतिक वितरण में सहायता प्रदान करते हैं।"

Scanned with CamScanner

विपणन एवं विक्रय में अन्तर
(Difference between Marketing and Selling)

क्र. सं. (S.N.)	अन्तर का आधार (Basis of Difference)	विपणन (Marketing)	विक्रय (Selling)
1.	**अर्थ** (Meaning)	विपणन से आशय ग्राहकों की आवश्यकताओं का अनुमान लगाने, उन्हीं के अनुरूप उत्पादन करने, उन्हें ग्राहकों तक पहुँचाने एवं सन्तुष्टि प्रदान करने से है।	विक्रय से आशय वस्तुओं और सेवाओं को ग्राहकों को बेचने से है।
2.	**उद्देश्य** (Objective)	विपणन का उद्देश्य ग्राहकों को सन्तुष्टि प्रदान करके लाभ अर्जित करने से है।	विक्रय का उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं का अधिकतम विक्रय करना है।
3.	**क्षेत्र** (Scope)	विपणन का क्षेत्र व्यापक है। इसमें विक्रय भी सम्मिलित है।	विक्रय का क्षेत्र सीमित है। यह विपणन का ही अंग है।
4.	**प्रारम्भ** (Start)	विपणन का प्रारम्भ वस्तु निर्माण का विचार ही हो जाता है।	विक्रय का प्रारम्भ वस्तुओं के उत्पादन के पश्चात् होता है।
5.	**अन्त** (End)	इसका अन्त ग्राहकों की सन्तुष्टि के बाद होता है।	इसका अन्त विक्रय हो जाने के पश्चात् हो जाता है।

प्रश्न 2. विपणन की अवधारणा क्या है ?

Scanned with CamScanner